प्रथम,

एस० के० गाहेश्वरी, शपर बारिव चलारींचल शासन

रोवा ग.

निदेशक. विद्यालयी शिक्स. उत्तरों वल, देहराद्न ।

शिक्षा अनुभा-अ देहरादून

विनामि १० मई,2006

राजामीय इंग्टर कालेज यागवाला, खंधमसिंह भगर के पातन निर्माण हेत् धनरापि की स्वीकृति।

महोदय. रामधुंबरा विस्थकः आपके पत्र रांख्या नियोजन- 4/2807/ शीर्धा-शीर्ण गमन निर्माण/2004-05 दिनोंच 29-4-2006 से रॉमर्श में एवं शासन्त्रादेश संख्याः 119/XXIV-3/2006 दिनाँक 02-03-2006 के कंग में युक्ते यह कहने का निदेश हुआ है कि की शब्यपाल गड़ीयन राजकीय इन्टर फालेज वामवाला, उचमिराह नगर के चालू निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित भागत ७०० ४३.२४ लाख के सापेक्ष पूर्व स्वीवृत ७० त.०० गारा को रामायोजित करते हुए देय अवशेष सम्पूर्ण ७० ३६.२४ माख (कमर्थ अवसीय लाख बीमीस इजार मान) की धनसंदि की, प्रातामधीय संख्याः 233/XXIV-3 /2006 विनोंच 27-04-2006 प्राप्त भएनमत भोजना में आपके निवर्तन पर रखी गयी घनसारी रहा 3050,00 लाख में से ध्यय चारने की साहर्ष रचीवाति निम्नलिखित प्रतिबन्दों के अमीन प्रदान करते हैं:-

(1)— आगणन में चिल्लिखत दशें का विश्लेषण विमाग के अवीवाण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दर्श शिलगुल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुगोदन शावश्यक छोवा।

(2)— कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन्/ मानधित्र गठित कर नियमानुसार सत्तम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त शरपी होगी, विना प्राविधिक रथीक्षी के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

(3)- कार्य पर उत्तना ही व्यय किया जाय जिल्ला कि स्वीकृत नार्ग है, रवीकृत नामें से अधिक व्यव कदापि न किया जाय।

(त)— एक गुरह प्रविद्यान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत सायगान गर्नित यहर निरमानुसार सहान प्रविद्यारी से स्वीकृति प्राप्त करना शावश्यक होगा।

(a) — कार्य कराने से पूर्व सामस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के ग्रह्म नवार रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रपत्तित परों / विविधियों को अनुरूप ही कार्य को सम्मादित करना

(PROTE TOX)

(a) - कार्य कराने से पूर्व स्थल का भलीभाँति निरीक्षण चम्य अधिकारियों एवं भूमवीकेता में साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के याद स्थल आमस्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण किन्यणी भी अनुसाम समर्थ किया जाए।

(r)— आगणन में जिन नहीं हेतु को सारि। स्वीयुत की गयी है स्थी मन पर प्रथा किया थाय, एक मद का चूसरी नद में सान

THE THE PERSON

(a)— निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से ऐस्टिंग क्या ली जाय तथा उपसुन्त पानी जानी

वाली शामती की प्रवीत में लाया नाम !

(p) स्वी स्वीमृत राशि में रशल विकास कार्य राग्यत ग छो, तो नलव काराने से गूर्व विस्तूल आध्यान मानविज गठित कर शासन से स्वीत्वृति प्राणा करती छोगी, स्वीकृति सारी से अधिक कदावि व्या स किया करते ।

(m)— निर्माण की पुणवला के लिए संगीवत विर्माण ऐकिकी चरवण्याची होगी। अनुमोदित लागत पर ही निर्माण कार्य को पूज किया जाय। मिली भी यशा में आगणनों को पुणशिक्षित नहीं किया जार्यगा।

- 3— इस समान्य में होने वाल व्यय चालू विस्तीय वर्ष 2008-07; से आग्रा-व्ययक में अनुदान संख्या-11 के अधीन सेखा शीर्षक— 4202—

शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय-01-सामान्य शिक्षा-202-माध्यभिक शिक्षा- 00-आयोजनागत -11- राजकीय साईस्कृत व इक्टरमीकिएट कालेजों के भवनदीन/जीर्णशीर्ण भवनों का निर्माण -24- वृहद् निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

त= यह आदेश विस्त विभाग के अशासकीय एडिया- 130/ विस्त-3/06 दिनों क 12-5-2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

गवदीय, (एस० के० गाडरवरी) अपर शनिव

र्गेंच्याः १७२ (1) / XXIV-3/2006 त्रद्दिग<u>ाँक।</u> प्रतिनिधि निम्नसिखित को सूचनार्थ एवं आन्छाक कार्यनार्डी हेत् प्रेथितः—

1- गहालेखाकार, उत्तरीं वल, वेहरादून।

2- निजी सदिव,माठ गुरव्यमंत्री जी।

:- निजी राचित, गाठ शिक्षा गंधी जी।

4— गिशी सन्तिन, गुड्य राचिन, उत्तर्शयस शारान ।

5— आयुवत कृतार्थे भण्डल— चैनीताल।

भण्डलीय व्याद्ध शिका निवेशक, कृमार्थ मण्डल-मैनीताल।

विवाधिकारी, चवगसिंह नगर।
कोधाधिकारी, उघगसिंह नगर।

n- विद्या शिक्षा अधिकारी, संघणसिंड नगर I

10- वित्त अनुमाग-3/कम्पूटर रोस(वित्त विभाग)/ नियोजन विभाग

11- वजद, राजकोधीय नियोजन एवं संसामन निवेशालय, सविवालय।

चर्न शंबंधित निमार्ण ऐपोन्सी।

10- , प्राठ्याई०२००, सनिवासय परिसर, उत्तरांचल, वेहरादून।

चन गार्च फाइल ।

(राजेन्द्र शिंध) छम संचिव